NEWS CLIPPING: 26.06.2019

HINDUSTAN

प्रदूषित पानी की सिंचाई से फलों पर हैवी मेटल का कितना दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इसका पता लगाया जाएगा

गेहूं और चावल की गुणवत्ता जांच के लिए शोध करेंगे

शोध

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

गेहूं और चावल की गुणवत्ता के शोध के लिए फरीदाबाद और पलवल के विभिन्न गांव से पानी और मिट्टी के 60 जगहों से नमूने लिए गए हैं। यहां पैदा होने वाली गेहूं और चावल के नमूने लेकर इन पर शोध किया जा रहा है। जेसी बोस वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर गेहूं-चावल पर शोध कर रहे हैं।

शोध रिपोर्ट तैयार होने के बाद नतीजे को सरकार के पास भेजा जाएगा। इसमें प्रदूषित पानी की सिंचाई से फलों पर हैवी मेटल का कितना दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इसका पता लगाया जाएगा। इसके साथ ही प्रदूषित पानी से गेहूं व चावल की गुणवत्ता को नियंत्रित करने के लिए शोध से उपाय खोजा जाएगा।

सब्जी पर भी किया जाएगा शोध : सब्जियों पर भी शोध किया जाएगा। इसके लिए यमुना के किनारे वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है। इस दौरान पता लगाया जाएगा कि किस प्रकार की सब्जियों के खाने से किस प्रकार की बीमारी होती है।

जेसीबोस वाईएमसीए यूनिवर्सिटी परिसर। ● (फाइल फोटो)

गेहूं-चावल पर शोध करने का कई कारण है। सिंचाई के दौरान फसल में कई हैवी मेटल चले जाते हैं। इसके सेवन से बीमारियों की आशंका होती है। लोगों को जानकारी नहीं होती है कि इस फसल में किस प्रकार का हैवी मेटल है और वह शरीर पर कितना दुष्प्रभाव डालता है। शोध में पता लगाया जाएगा कि किस रासायतिक तत्व से शरीर के किस अंग पर कितना दुष्प्रभाव पड़ता है। -डॉ. रेणुका गुप्ता, जेसी बोस विवि.

60 जगह से 300 नमूने लिए

फरीदाबाद व पलवल के 60 गांव से पानी और मिट्टी के सी-सी नमूने लिए गए हैं। जबकि गेहूं और चावल के 50-50 नमूने लिए गए हैं। इसमें यहां पैदा होने वाले सभी प्रकार की फसल है। शोध के दौरान इन सभी को कई श्रेणी में बांटा गया है। इसे छह महीने के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

हैवी मेटल के लगातार सेवन से हो सकती है कई बीमारियां

विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी खाद्य पदार्थ में अगर मानक से अधिक हैवी मैटल पाए जाते हैं, तो इसके सेवन से कैंसर, शरीर में कंपन्न, यादास्त कम हो जाना सहित कई बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा कई ऐसे रसायनिक तत्व हैं, जो शरीर में जाकर मिक्स हो जाता है। इससे सेल काम नहीं कर पाता है। जो शरीर पर दुष्प्रभाव डालता है। इससे कई गंभीर बीमारियां होने की आशंका होती है।

पानी में इन तत्वों की जांच

पीएच, टीडीएस, कैल्शियम, मैग्नेशियम, फ्लोराइड, क्लोराइड, सल्फेड, नाइट्रेट, आर्सेनिक, कॉपर, निकिल, पारा, क्रोनियम, सीसी, लोहा, गंदपन, ईकोली और पानी में मौजूद जीवाणुओं की मात्रा।